तत्काल प्रकाशित

सत्यमेव जयते

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
का
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए
राज्य के वित्त पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

बिहार सरकार
प्रतिवेदन संख्या– 1 वर्ष 2023

प्रेस विज्ञप्ति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का

राज्य के वित्त वर्ष 2021–22 पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक का मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष का बिहार सरकार के राज्य के वित्त पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 151 के अन्तर्गत 13.07.2023 को बिहार विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस प्रतिवेदन में पाँच अध्याय संरचित है। प्रथम तीन अध्याय में राज्य सरकार के वित्तीय वर्ष 2021–22 के वित्त लेखे तथा विनियोग लेखे पर लेखापरीक्षा अवलोकन शामिल है, अध्याय चार चालू वर्ष के दौरान विभिन्न वित्तीय नियमों, प्रक्रियाओं एवं निर्देशों के प्रति राज्य सरकार के अनुपालन पर टिप्पणी प्रस्तुत करता है एवं अध्याय पाँच में राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का लेखापरीक्षा अवलोकन सन्निहित है।

लेखापरीक्षा के प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार हैं :-

अध्याय I : अवलोकन

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान राज्य ने ₹ 25,551 करोड़ का राजकोषीय घाटा दर्ज किया था। राज्य का राजकोषीय घाटा विगत वर्ष की तुलना में ₹ 4,276 करोड़ घट गया एवं राज्य को वित्तीय वर्ष 2004–05 के पश्चात् तीसरी बार राजस्व घाटे (₹ 422 करोड़) का सामना करना पड़ा।

(कंडिका 1.4.1)

राज्य का प्राथमिक घाटा वित्तीय वर्ष 2020–21 में ₹ 17,343 करोड़ से घटकर वित्तीय वर्ष 2021–22 में ₹ 11,729 करोड़ हो गया था। राज्य के सकल घरेलु उत्पाद (जी0एस0डी0पी0) से कुल बकाया ऋण का अनुपात पंद्रहवें वित्त आयोग द्वारा नियत 40.20 प्रतिशत की सीमा के भीतर था लेकिन यह बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (बी0एफ0आर0बी0एम0) अधिनियम, 2006 द्वारा नियत सीमा से काफी पीछे था।

(कंडिका 1.4.1 एवं 1.5.1)

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, जी0एस0डी0पी0 की वृद्धि दर 15.04 प्रतिशत (विगत पाँच वर्षों के दौरान सबसे अधिक) दर्ज की गई। हालांकि, विगत पाँच वित्तीय वर्षों की अवधि में पहली बार देश के सकल घरेलू उत्पाद (19.51 प्रतिशत) की तुलना में जी0एस0डी0पी0 की विकास दर में कमी हुई।

(कंडिका 1.1.1)

राज्य की देनदारियाँ वित्तीय वर्ष 2020–21 के ₹ 2,99,043 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021–22 में ₹ 3,29,032 करोड़ हो गई।

(कंडिका 1.4.2)

अध्याय II : राज्य का वित्त

राज्य ने विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान राजस्व प्राप्तियों में ₹ 30,630 करोड़ (23.90 प्रतिशत) की वृद्धि देखी।

(कंडिका 2.3.2.1)

विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में राज्य के राजस्व व्यय में ₹ 19,727 करोड़ (14.14 प्रतिशत) की वृद्धि हुई।

(कंडिका 2.2)

विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में राज्य के पूँजीगत व्यय में ₹ 5,469 करोड़ (30.03 प्रतिशत) की वृद्धि हुई।

(कंडिका 2.2)

करेत्तर राजस्व में विगत वर्ष की तुलना में ₹ 2,217.04 करोड़ (35.75 प्रतिशत) की कमी आई।

(कंडिका 2.3.2.2)

विगत 10 वित्तीय वर्षों में केंद्र से धन का हस्तांतरण वित्तीय वर्ष 2012–13 के ₹ 42,178.31 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021–22 में ₹ 1,19,958.45 करोड़ हो गया। इसके अलावा, केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी में विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण ₹ 31,491.18 करोड़ (52.61 प्रतिशत) की वृद्धि हुई।

(कंडिका 2.3.2.3)

31 मार्च 2022 तक राज्य सरकार के कर्मियों से संबंधित ₹ 279.12 करोड़ की राशि राष्ट्रीय प्रतिभूति डिपॉजिटरी लिमिटेड (एन0एस0डी0एल0) को हस्तांतरित की जानी बाकी थी।

(कंडिका 2.4.2.3)

राज्य का बकाया लोक ऋण (₹ 2,08,913.28 करोड़) विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में ₹ 31,698 करोड़ (17.89 प्रतिशत) बढ़ गया।

(कंडिका 2.6.3)

अध्याय III: बजटीय प्रबंधन

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, 35 अनुदानों से संबंधित दत्तमत एवं भारित व्यय के अधीन ₹ 100 करोड़ या उससे अधिक के बचत के 50 मामले थे, जिसकी कुल राशि ₹ 69,862.87 करोड़ (कुल प्रावधान ₹ 2,50,102.40 करोड़ का 27.93 प्रतिशत) थी।

27 अनुदानों से संबंधित 34 मामलों (₹ 100 करोड़ या अधिक के बचत के) में कुल ₹ 42,260.60 करोड़ और अधिक के सतत् बचत विगत प्रत्येक पाँच वित्तीय वर्षों के दौरान हुए थे।

(कंडिका 3.3.4)

कुल बचत ₹ 71,194.67 करोड़ में से केवल ₹ 9,878.08 करोड़ (13.87 प्रतिशत) का अभ्यर्पण वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान हुआ।

(कंडिका 3.4.1)

16 विभागों के अन्तर्गत कुल व्यय ₹ 42,045.20 करोड़ में से ₹ 24,347.61 करोड़ (57.91 प्रतिशत) का व्यय वित्तीय वर्ष 2021–22 की अंतिम तिमाही में हुआ, जबकि ₹ 14,070.20 करोड़ (33.46 प्रतिशत) का व्यय मार्च 2022 में हुआ।

(कंडिका 3.4.4)

अध्याय IV: लेखाओं की गुणवत्ता एवं वित्तीय प्रतिवेदन संव्यवहार

राज्य सरकार ने संबंधित वित्तीय वर्ष में अपने बजट दस्तावेजों/वार्षिक वित्तीय विवरणों में ₹ 1,482.50 करोड़ की गैर–बजट उधारी को प्रदर्शित नहीं किया था।

(कंडिका 4.2)

31 मार्च 2022 तक स्थानीय निधियों (मुख्य शीर्ष– 8448) के जमा खातों में संग्रहित राशि ₹ 26,561.64 करोड़ को वर्षों से व्यय के रूप में दर्शाया गया था। परिणामस्वरूप, राज्य में वास्तविक पूँजीगत व्यय का पता नहीं लगाया जा सका।

(कंडिका 4.5)

₹ 99,178.89 करोड़ (23,188 यू.सी.) के उपयोगिता प्रमाण–पत्र (यू.सी.) जो प्रस्तुत करने के लिए देय हो गए थे (31.08.2020 तक आहरित), बकाया थे। अधिक मात्रा में उपयोगिता प्रमाण–पत्र का लंबित रहना, निधि के दुरूपयोग एवं धोखाधड़ी के जोखिम को बढ़ाता है।

(कंडिका 4.6)

विस्तृत आकस्मिक (डी0 सी0) विपत्रों के अप्रस्तुतीकरण के कारण 25,928 सार आकस्मिक (ए0सी0) विपत्रों द्वारा आहरित ₹ 7,629.73 करोड़ का समायोजन लंबित था। अग्रिमों का लंबी अवधि तक असमायोजित रहना दुर्विनियोजन एवं धोखाधड़ी के जोखिम से भरा होता है।

(कंडिका 4.7)

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, शीर्ष 8658–102–उचंत लेखा (सिविल) मद में ₹ 321.42 करोड़ जोड़े गए। इस प्रकार, राज्य का व्यय ₹ 321.42 करोड़ कम बताया गया और इस बात का कोई आश्वासन नहीं है कि यह राशि वास्तव में उस उद्देश्य के लिए खर्च की गई है जिसके लिए इसे विधानमंडल द्वारा स्वीकृत/प्राधिकृत किया गया था। मार्च 2022 के अंत में 8658–102– उचंत लेखे (सिविल) के अंतर्गत प्रगामी शेष राशि ₹ 14,785.91 करोड़ थी।

(कंडिका 4.10)

वित्त विभाग ने व्यापक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (सी0एफ0एम0एस0) (अप्रैल 2022 तक) का न तो उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण (यू0ए0टी0) कराया था और न ही विभाग द्वारा सिस्टम

का सूचना प्रौद्योगिकी लेखापरीक्षा करायी थी। इसलिए, सी0एफ0एम0एस0 के तहत रखे गए लेखों के आँकड़ों की विश्वसनीयता और सत्यनिष्ठा के बारे में आश्वासन प्राप्त करना मुश्किल है।

(कंडिका 4.25)

अध्याय V: राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (एस0पी0एस0ई0)

31 मार्च 2022 तक राज्य में कुल 77 एस0पी0एस0ई0 में से 37 एस0पी0एस0ई0 कार्यशील और 40 अकार्यशील थी। इस प्रतिवेदन में शामिल 16 एस0पी0एस0ई0 (15 सरकारी कंपनियाँ और एक सांविधिक निकाय) ने ₹ 20,396.89 करोड़ (वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए जी0एस0डी0पी0 का 3.02 प्रतिशत) का वार्षिक टर्नओवर दर्ज किया।

(कंडिका 5.1.3 एवं 5.1.4)

16 एस0पी0एस0ई0 में से सात ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान लाभ अर्जित किया। अर्जित लाभ वित्तीय वर्ष 2020–21 में ₹ 302.15 करोड़ रुपये से घटकर वित्तीय वर्ष 2021–22 में ₹ 291.30 करोड़ हो गया। वित्तीय वर्ष 2021–22 में सबसे ज्यादा लाभ अर्जित करने वाली कंपनी बिहार ग्रिड कंपनी लिमिटेड (₹ 143.97 करोड़) थी।

(कंडिका 5.3.1)

16 एस0पी0एस0ई0 में से पाँच को ₹ 1,946.95 करोड़ की हानि हुई। इन पाँच एस0पी0एस0ई0 का संचित घाटा और निवल मूल्य क्रमशः ₹ 21,041.52 करोड़ और ₹ 8,783.09 करोड़ था। चार एस0पी0एस0ई0 का निवल मूल्य पूरी तरह से समाप्त हो गया था, और यह 31 मार्च 2022 तक ₹ 85.50 करोड़ के इक्विटी निवेश के मुकाबले (–) ₹ 588.43 करोड़ था।

(कंडिका 5.6.1 एवं 5.6.2)

सरकार ने 31 जुलाई 2022 तक 19 कार्यशील एस0पी0एस0ई0, एक सांविधिक निगम और 15 अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 को, जिनके लेखे 31 मार्च 2022 तक बकाया थे, को ₹ 29,830.55 करोड़ की बजटीय सहायता प्रदान की।

(कंडिका 5.8)

ह0–

प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)
बिहार, पटना

इन विषयों पर अधिक जानकारी हेतु कृप्या हमे निम्न पतों पर संपर्क करें:

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), बिहार के प्रवक्ता	श्री के. एस. एम. रफी उप महालेखाकार (फिनाट) कार्यालय प्रधान महालेखाकार (ले0 प0), बिहार बीरचंद पटेल मार्ग, पटना– 800 001
दूरभाष सं0	0612-2223194 (कार्यालय)
ई–मेल आई.डी.	agaubihar@cag.gov.in
वेबसाईट	www.ag.bih.nic.in
फैक्स सं0	0612-2506223
मोडिया अधिकारी	श्री कुंदन कुमार वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
मोबाईल नं0	9431624894